

Automelon

Ω του παραδόξου θαύματος!

Ω̅ ΠΡΕΣΛΑΒΗΝΑΓΩ ΨΔΕΕΕ!

8. hlas // plag. 4th echos

Novobyzantské nápevy vs. ZR (ruské a najstaršie RI)
// Neobyzantine settings vs. ZR (Russian and in the oldest RI)

Byz

Sn 1260 320v (320), HS 159*, Tod 194*

*HS = Irmologion syntomon (Chourmouzos, Petros Byzantios), 1825
Tod = Manasia pop TodorovPsalt. Voskresnik, Sofia 1914

Rus

Samopodoben // Automelon

BN 143, S414 245v, S415 152v, S416 309r, S424 187r, S426 218v, S429 112v, S431 41v, S432 189r, S433 118v
POb (Pomor. Obichod) 31v

14.9. (+)

S414 332r, S431 139r (iba 2. a 3. stichira),

RI

J005 436v, J002 235r, J046 267v

Text

14.9. Εἰς τοὺς Αἶνους. ἰστώνει Στίχους δ' καὶ ψάλλομεν Στιχηρὰ Προσόμοια.

Ἡ χελλητήχης ἐτήχηρι, ἡ δ, γλίεζ ἡ. Γαμοποδόβενζ:

Ω τοῦ παραδόξου θαύματος! 9
 τό ζωηφόρον φυτόν, ο Σταυρός ο πανάγιος, 7+8
 εἰς ὕψος αἰρόμενος, εμφανίζεται σήμερον, 7+8
 δοξολογούσι πάντα τὰ πέρατα, 11
 εκδειματύνονται δαίμονες ἅπαντες, 11
 ὦ οἶον δῶρημα, τοῖς βροτοῖς κεχάριστα! 6+7
 δι' οὐ Χριστέ, σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν, 4+7
 ὡς ὁ μόνος εὐσπλαγχνος. 6

Ω τοῦ παραδόξου θαύματος!
 τό ζωηφόρον φυτόν, ο Σταυρός ο πανάγιος,
 εἰς ὕψος αἰρόμενος, εμφανίζεται σήμερον,
 δοξολογούσι πάντα τὰ πέρατα, ||
 εκδειματύνονται δαίμονες ἅπαντες,

Ω οἶον δῶρημα, τοῖς βροτοῖς κεχάριστα!
 δι' οὐ Χριστέ, σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν,
 ὡς ὁ μόνος εὐσπλαγχνος.

Ω τοῦ παραδόξου θαύματος!
 ὡς βότρυν πλήρη ζωῆς, ο βαστάσας τὸν ὑψίστον,
 ἀπὸ γῆς υψούμενος, Σταυρός οράται σήμερον,
 δι' οὐ πρὸς Θεὸν πάντες εἰλκυσθημεν,
 καὶ κατεπόθη εἰς τέλος θάνατος,

Ω ξύλον ἀχραντόν! ὕψ' οὐ ἀπολαύομεν
 τῆς ἐν Ἐδέμ, ἀθανάτου βρώσεως,
 Χριστόν δοξάζοντες.

Ω τοῦ παραδόξου θαύματος!
 εὖρος καὶ μήκος Σταυροῦ, οὐρανοῦ ἰσοστάσιον,
 ὅτι θεία χάριτι, ἀγιάζει τὰ σύμπαντα,
 ἐν τούτῳ ἔθνη βάρβαρα ἠττηνται,
 ἐν τούτῳ σκῆπτρα ἀνάκτων ἠδρασταί,

Ω θείας κλίμακος! δι' ἧς ἀνατρέχομεν
 εἰς οὐρανοὺς, ὑψούντες ἐν ἄσماσι,
 Χριστόν τὸν κυρίον.

Ω прелѣвнаго чюдєє, *
 жнєонόєннѣ глѣз, * κρѣтз прєєтѣнѣ *
 ἡ вѣсоуѣ वोзноенѣ глѣз днєє. *
 глєвоглѣвѣтз вєнє концѣ зємнѣн, *
 оуєтєрлѣшѣютє дємωнѣкѣ полкѣ, *
 ѿ κακοβѣнѣ дѣрз зємнѣнѣз дѣровѣє, *
 ἡмжє, χрѣтє, επєєн дѣшѣ нѣшѣ, *
 гѣкω єднѣнз єлгоδтєрѣвєнз.

Ω прелѣвнаго чюдєє, *
 гѣкω грѣздѣ нѣпѣлнєнз жнєотѣ, * понєєнѣ вѣшнѣнѣ, *
 ѿ зємлѣ वोздєнзѣємѣ κрѣтз вѣднѣтє днєє, *
 ἡмжє вєнє кз єтѣ прнєлєкѣчѣмѣ, *
 ἡ ποжєрѣтѣ вѣєтѣ до концѣ ємєрѣтѣ. *
 ѿ дрєво прєчєєтнѣє, * ἡмжє κοєпрѣлѣчѣмѣ
 во єдємѣ вєзємєрѣтнѣю нѣцѣ, *
 χрѣтѣ глѣєлѣвѣмє!

Ω прелѣвнаго чюдєє, *
 шнєрѣтѣ κрѣтѣ ἡ долготѣ нѣєнє ρєвнѣ єтѣ. *
 гѣкω єжѣтєвнѣноу єлгодѣтѣю ѿвєєлѣєтѣтз вєлѣчєкѣлѣ. *
 ѿ єємѣз гѣзѣцѣ вѣрѣвєрѣтѣн ποєтѣждѣютє. *
 ѿ єємѣз вѣєрѣ оуѣтєвєрѣдѣєтє. *
 ѿ єжѣтєвнѣнѣлѣ лѣєтєвнѣцѣ, * єнѣжє вєєчѣднѣмѣ
 ἡ нєвєєлѣ. * वोзноелѣмє вєз πѣєнєчз
 χрѣтѣ глѣ!

Prepis // Transcription

Tod

Ω̇ πρε_ ελαβ_ ηα_ γω_ γδ_ δε_ εε!

Tod

HS

Sn1250 — . ˘ ˘ ˘ ˘ > / > > >

Sn1260 — . ˘ > — ˘ > / > > >

Ω̇ του πα- ρα- δό-ξου θαύ-μα- τος!

S432	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
BN	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S424	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S416	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S414/15	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S431+	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S414+	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S429/31	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘
S433	Σ	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘	˘

S426

Ω̇ πρε_ σλα_ βε_ ηω_ ε_ γι_ ο_ δο_.

Pomor

J002/005

Ω̇ πρε_ σλα_ βε_ ηω_ ε_ γι_ ο_ δο_.

J046

Ω̇ πρε_ σλα_ βηω_ ε_ γι_ ο_ δο_.

Tod

⊕ ΠΆ_ ΗΗ_ ΕΓΒΑ_ ΗΌ_ ΒΑ_ ΓΩ! ⊕ οἴ_ ΖΑῖ_ ΗΑ_ ΓΩ_ ΗΑ_ ΥΗ_ ΗΆ_ ΗΪ_ Δ!

Tod

HS

Sn1250

Sn1260
 ώ_ μν- στή-ρί- ου_ φρι-κτού! ο_ τή_ φύ- σει_ α- θά- να- τος,
 τό_ ζω- η- φό- ρον_ φυ- τόν, ο_ Σταυ-ρός ο_ παν-ά- γι- ος,

S432
 BN,S416/24
 S429
 S414+
 S414/15
 S433
 ЖИ_ ВО_ ТВО_ РА_ И_ СА_ ДΩ. КРЕ_ СТΩ_ ПРЕ_ СВЯ_ ТЫ_ И.

Pomor

J005

J002

ЖИ_ ВО_ ПВО_ РЪ_ И_ СА_ ДО_ КРЕ_ СПО_ ПРЕ_ СВЪ_ ПЫ_ И.

J046

ЖИ_ ВО_ ПВО_ РЪ_ СА_ КРЕ_ ПРЕ_ СВЪ_ ПЫ_

Tod

ΔΒΑ ΓΛΛ ΓΟ ΛΑ ΣΕ, ΗΑ ΚΡ ΠΤ ΠΔ ΙΑ ΚΩ ΒΗ ΔΒ,

Tod

HS

Sn1250

Sn1260

πώς εν ξύ- λω κρέ- μα- ται; πώς θα- νά- του νύν γεύ- ε- ται;
 εις ύ- ψος αι- ρό- με- νος, εμ- φα- νί- ζε- ται σή- με- ρον,

BN			
S424			S426
S431			
S416			
S414/15			
S414+			var.
S432			
S429			
S433			

ΗΑ ΒΥ CO ΤΚ ΒΟΥ ΝΩ CH MO ΗΑΒ ΛΑ ΕΤΕ ΣΑ ΔΕ ΝΕ ΣΕ.
 ΗΑ ΒΥ CO ΤΟΥ ΒΟΥ ΔΒΗ ΧΕ MO ΗΑΒ ΛΑ ΕΤΕ ΣΑ ΔΕ ΝΕ ΣΕ.

Pomor

J005

J002

ΗΑ ΒΥ CO ΠΧ ΒΟΥ ΔΒΗ ΧΕ ΗΑΒ ΛΑ Ε ΣΑ ΔΗΕ.

J046

ΗΑ ΒΥ CO ΠΧ ΒΟΥ ΝΩ CH ΗΑΒ ΛΑ Ε ΣΑ ΔΗΕ.

Tod

πο- ρε- δ' ἔ- δβο- ἰὸ ραζβῶνῆηηκῶ ὦ- β' ἔ- σσε- ηα.

Tod

HS

Sn1250 >

Sn1260 >

πὼς κα- τα- κρί- νε- ται ο αν- εὔ- θυ- νος;
δο- ξο- λο- γού-σι πάν-τα τά πέ- ρα- τα,

S432												
S429'												
S424												
S429												
S414+												
S414												
S416												
S433												

Η ΣΛΑ_ΒΟ_ ΣΛΟ_ ΒΑΤ_ Τ' Ἐ_ ΒΣΗ_ ΚΟΗ_ ΞΗ_ ΞΕΜ_ ΗΗ_ Η.
Η ΣΛΑ_ΒΟ_ ΣΛΟ_ ΒΑΤ_ Β' Ἐ_ ΣΗ_ ΚΟ_ ΝΕ_ ΞΗ_ ΞΕΜ_ ΛΛ.

S426

BN, S431

Pomor

J005

Η ΣΛΑ_ΒΟ_ ΣΛΟ_ ΒΑΤ_ Β' Ἐ_ ΣΗ_ ΚΟ_ ΞΗ_ ΞΕΜ_ ΛΛ

J002

J046

Η ΣΛΑ_ΒΟ_ ΣΛΟ_ ΒΑΤ_ Β' Ἐ_ ΣΗ_ ΚΟ_ ΞΗ_ ΞΕΜ_ ΗΗ_ Η

Tod 

ἐ- γό- κε νε- βο- λῆ- ζην-ηω οὔ- κἀ- ηω πο- ρο- δὴ,

Tod 

HS 



Sn1250 



Sn1260
 Κρύψον τό φῶς σου καί φρί- ξον ἡ- λι- ε,*
 εκ- δει- μα- τούν- ται δαί- μο- νες ἀ- παν-τες,

S414/15  BN, S416/24/26/31
 S414+ 
 S432 
 S429' 
 S429 
 S433 


προ- γο- ηη- μη бы- ба- ю- тъ. ве- си дѣ- мо- нѣи.

Pomor 

J005 

J002 

προ- γο- ηη- μη бы- ба- го- ве- си дѣ- мо- ни.

J046 

оу- спа- ша- го- са, всѣ- бѣ- со- ве.

Tod

ΠΛΑ_ ΚΑ_ ΣΕ ΓΛΑ_ ΓΟ_ ΛΥ_ ΞΗ: ΟΥ_ ΒΥΙ ΜΗΥΒ_ ΥΑ_ ΔΟ ΛΥ_ ΕΞ_ ΗΥΒ_ ΞΙΕ_ Ε,

Tod

HS

Sn1250

Sn1260

βλέ- πων τό τολ- μη- μα, η Παρ- θε- νος έ- λε- γεν
Ω οί- ον δώ- ρη- μα, τοίς βρο- τοίς κε- χά- ρι- σται!

BN

S424

S426

S431

S414+

var.

S416

S432

S414/15

S429'

S429

S433

Ω ΒΟ_ ΞΗ_ Ε ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Ε ΞΕ_ ΗΥΙ_ ΜΖ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΣΑ_.

Pomor

J002

Ω ΒΟ_ ΞΗ_ Ε ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Ε ΞΕ_ ΗΥΙ_ ΜΖ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΣΑ_.

J005

J046

J046

Ω ΒΟ_ ΞΗ_ Ε ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Ε ΞΕ_ ΗΥΙ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΣΑ_.
Ω ΚΑ_ ΚΟ_ ΒΟ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Ε ΞΕ_ ΗΥΙ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΣΑ_.

Tod 

ΚΑ_ ΚΩ ΠΛ_ ΛΙ_ ΤΥΙ_ Η_ ΝΑ_ ΡΟ_ ΔΖ Η_ ΝΕ_ ΕΛ_ ΓΟ_ ΔΑ_ Ρ_ ΝΥΙ_,

Tod 

HS 



Sn1250

./ > > > ̣̣̣̣ ̣ ̣ / ̣̣̣̣ > > ̣̣̣̣



Sn1260

./ > > ̣̣̣̣ > ̣̣̣̣ ̣ ̣̣̣̣ ̣̣̣̣ > > > ̣̣̣̣ ̣̣̣̣ > > > ̣̣̣̣ ̣̣̣̣ > > ̣̣̣̣
 εν στε- να- γμοίς, βλέ- που- σα σταυ- ρού- με- νον
 δι' ού Χρι- στέ, σώ- σον τάς ψυ- χάς η- μών,


BN



S424



S416/31



S414



S415



S414+



S433



S432



S429



Η_ ΜΕ_ ΖΕ_ ΧΡΗ_ ΣΤΕ ΣΠΑ_ ΣΗ_ ΔΟΥ_ ΣΙΑ_ ΝΑ_ ΣΙΑ

S426

Pomor



J005



J046



J002



ΗΜ_ ΖΕ_ ΧΡΗ_ ΣΤΕ ΣΠΑ_ ΣΗ_ ΔΧ_ ΣΙΑ_ ΝΑ_ ΣΙΑ

Tod 

κο κρ̂ πδ̂ πρη- Γβο- ΖΑΗ;


Tod 

HS 



Sn1250 



Sn1260 
 Χρι-στόν όν έ- τε- κε. +
 ως μό- νος εύ-σπλαγ-χνος.

S414 /15 
 ΓΑ_ ΚΟ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΕΡ_ ΔΩ.

BN 

S416 

S414+ 


S433 


ΓΑ_ ΚΟ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΕΡ_ ΔΩ.

S429 

S432 
 ΓΑ_ ΚΟ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΕΡ_ ΔΩ.

S424/26, S431
 var. 

Pomor 

J005 

J002 

J046 

ΓΑ_ ΚΟ ΜΗ_ ΛΟ_ ΣΕΔΖ.

Stručný rozbor štruktúry nápevu

// A short analysis of the melodic structure

Text	GR	ZR
<p>Ω τού παραδόξου θαύματος! τό ζωηφόρον φυτόν, ο Σταυρός ο πανάγιος, εις ύψος αιρόμενος, εμφανίζεται σήμερον, δοξολογούσι πάντα τά πέρατα, εκδειματούνται δαίμονες άπαντες, ώ οίον δώρημα, τοίς βροτοίς κεχάρισται! δι' ού Χριστέ, σώσον τάς ψυχάς ημών, ως μόνος εύσπλαγχνος.</p>	<p>G2 (a2) ca.h + a2 =D + a2 (G_T) a2 (bG.a, G_S) a2 (bG.a, G_S) h2(ca.h) + a2 ya2(hG.a*) + =D G2</p>	<p>=G2 c2.dd.c + c2.bc.d cb.G d2.bc.d e2.d2.c ac.b + G2 db.c* + ... yG3</p>

Pôvodný byzantský nápev nemáme k dispozícii, čo sťažuje analýzu štruktúry textu. Novobyzantské nápevy miestami prezrádzajú istú príbuznosť so ZR, ale prevažuje skôr divergencia oboch skupín nápevov.

Novobyzantský nápev zaujme dôsledným ukončovaním riadkov tónom *a* vo väčšine prameňov (s občasnou alternatívou *G*). Len úvodný a záverečný verš sa končia tónom *G*. V ZR sa prvý a posledný riadok tiež končia tónom *G*, avšak nie sú jediné.

Stichiru môžeme rozdeliť na tri časti – odseky.

Je nesporné, že centrom textu je paralelizmus dvoch veršov (ozn. ||); zhodujú sa počtom slabík, rozložením prízvukov a v byzantskej verzii aj melodicky. V ZR nápev takisto odráža paralelizmus, ale menej výrazne.

V prvom odseku vyčnieva úvodný riadok ako samostatná jednotka. Ďalšie dva riadky (každý má dve kóla) tvoria voľný paralelizmus typu AB || CB. Byzantská melódia to vyjadruje presne. Nápev ZR pokrýva tento úsek iba tromi formulami, keďže byzantská dvojica =D + a2(G2) sa v ZR zlieva do jednej formuly.

Text tretieho odseku tvorí opäť slabý paralelizmus typu AB || CB, za ktorým nasleduje záverečné kolon. Novobyzantská melódia vyjadruje text v podstate presne, avšak mierne odlišne než v prvej časti – predposledné kolon s posledným pokrýva rovnako ako v závere prvého odseku (=D + x2). Nápev ZR tiež rovnako ako v 1. odseku spája posledné dve kóla pod jednu formulu. Zaujímavý je melizmatický rozvoj na konci predpredposledného kóla, ktorý má svoj predobraz už v Sn 1260.

Úprava na spev

Nápev RI v najstarších irmologionoch je z hľadiska štruktúry principiálne správny, zodpovedá textu. Jedinou potrebnou úpravou, ktorá si však nemusí vyžadovať vážne zásahy, je aspoň nenápadné rozdelenie posledných veršov v prvom a treťom odseku (zodpovedajúcich byzantskému =D + x2) na dve kóla.

// The structural analysis is complicated by the fact that we have not at disposal the original Byzantine setting. The Neobyzantine versions display locally some similarity with the ZR, but differences prevail.

In the Neobyzantine setting the melodic lines in most of the sources end – with exception of the first and last one ending on *G* – on the tone *a* (or *G* alternatively). In ZR more than only the first and last lines end on *G*.

The stikheron consists of three sections.

The centre of the whole text are two parallel lines (marked ||) in the middle section. They are equal in the number of syllables, in the distribution of accents and also melodically (Byz.). The ZR reflects this parallelism, but not so precisely.

In the first section the first line stands as an independent unit. Next two lines form a loose parallelism AB || CB, which is exactly expressed in the Byzantine melos. ZR covers this portion by only three formulae (the two Byzantine D + a2/G2 correspond to only one formula in ZR).

In the third section there is again a loose parallelism AB || CB, followed by the last colon. The Neobyzantine melody expresses this structure exactly, but in a little different way than in the first section. In ZR again two cola are covered by one formula.

A melismatic motif in the forelast colon appears in Sn1260 and also in ZR.

A score for singing

The melody in the oldest RI is – in relation to the poetical structure – correct. Only small amendment is required – at least an unobtrusive splitting the lines, where two cola were covered by one formula, again in two parts.